DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

12 March, 2024

संशोधित फार्मास्यूटिकल्स (औषध) प्रौद्योगिकी उन्नयन सहायता योजना

संदर्भ: *रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने संशोधित फार्मास्यूटिकल्स (औषध) प्रौद्योगिकी उन्नयन सहायता योजना (आरपीटीयूएएस) को आरंभ कर दिया है।*

➢ **संशोधित योजना की मुख्य विशेषताएं:**

- **पात्रता मानदंड:**
  - 500 करोड़ से कम टर्नओवर वाली किसी भी फार्मास्युटिकल विनिर्माण इकाई को शामिल करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से परे पात्रता का विस्तार किया गया।
  - उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण मानकों को प्राप्त करने में छोटे विनिर्माण इकाईयों का समर्थन करते हुए, एमएसएमई को प्राथमिकता दी जा रही है।
- **लचीले वित्तपोषण विकल्प:**
  - पारंपरिक क्रेडिट-लिंक्ड दृष्टिकोण के बजाय प्रतिपूर्ति के आधार पर सब्सिडी पर जोर देते हुए, अधिक लचीले वित्तपोषण विकल्पों का समावेशन किया गया है।
  - योजना को व्यापक रूप से क्रियान्वित करने की सुविधा प्रदान करते हुए, भाग लेने वाली इकाइयों के लिए वित्तपोषण विकल्पों में विविधता लाने के लिए इसे पुनः डिज़ाइन किया गया है।
- **अनुपालन के लिए व्यापक समर्थन:**
  - संशोधित अनुसूची-एम और डब्ल्यूएचओ-जीएमपी मानकों के अनुरूप तकनीकी उन्नयन की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रावधान करता है।
  - इसके अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में एचवीएसी प्रणाली, पानी और भाप उपयोगिताओं, परीक्षण प्रयोगशालाओं, स्थिरता कक्षों, साफ कमरे की सुविधाओं, अपशिष्ट उपचार, अपशिष्ट प्रबंधन आदि में सुधार शामिल हैं।
- **गतिशील प्रोत्साहन संरचना:**
  - पिछले तीन वर्षों के औसत कारोबार के आधार पर अधिकतम 1 करोड़ प्रति यूनिट प्रोत्साहन प्रदान किया गया।
  - यह प्रोत्साहन प्रतिशत टर्नओवर सीमा के आधार पर भिन्न-भिन्न होता है, जो पात्र गतिविधियों के तहत निवेश के 10% से 20% तक होता है।
- **राज्य सरकार की योजनाओं के साथ एकीकरण:**
  - वर्तमान योजना राज्य सरकार की योजनाओं के साथ एकीकरण की अनुमति देती है, साथ ही इकाइयों को अतिरिक्त टॉप-अप सहायता प्रदान करती है।
  - राज्य के सहयोगात्मक दृष्टिकोण का उद्देश्य फार्मास्युटिकल उद्योग को उनके प्रौद्योगिकी उन्नयन प्रयासों में अधिकतम समर्थन देना है।
- **उन्नत परीक्षण तंत्र:**
  - यह संशोधित सहायता योजना एक परियोजना प्रबंधन एजेंसी के माध्यम से एक मजबूत परीक्षण तंत्र को उधृत करता है।
  - इसके अलावा पारदर्शिता, जवाबदेही और कुशल संसाधन आवंटन भी सुनिश्चित करता है।
- **भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग:**
  - भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग की श्रेणियां:
  - **जेनेरिक दवाएं:** भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।
  - **ओटीसी दवाएं:** भारतीय दवा बाजार में ओवर-द-काउंटर दवाएं व्यापक रूप से उत्पादित और वितरित की जाती हैं।
  - **थोक दवाएं:** भारत फार्मास्युटिकल उत्पादन में उपयोग की जाने वाली थोक दवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है।
  - **टीके:** भारत टीका उत्पादन में वैश्विक रूप से अग्रणी है, विशेष रूप से डीपीटी, बीसीजी और खसरे के टीकों के लिए।
  - **अनुबंध अनुसंधान और विनिर्माण:** भारत में कई दवा कंपनियां अनुबंध अनुसंधान और विनिर्माण सेवाएं प्रदान करती हैं।
  - **बायोसिमिलर:** भारत में बायोसिमिलर का बाजार बढ़ता जा रहा है, कई कंपनियां इनके विकास में निवेश कर रही हैं।
  - **बायोलॉजिक्स:** भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग में बायोलॉजिक्स खंड भी उभर रहा है।
- **वैक्सीन उत्पादन में भारत की भूमिका:**
  - भारत वैश्विक रूप से कम लागत वाले टीकों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।
  - यह वैश्विक वैक्सीन आपूर्ति का 60% उत्पादन करता है, डीपीटी और बीसीजी टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ की 70% मांग और खसरे के टीके की 90% मांग को पूरा करता है।
- **जेनेरिक दवाओं में वैश्विक नेतृत्व:**
  - मात्रा के हिसाब से जेनेरिक दवाओं की वैश्विक आपूर्ति में भारत की हिस्सेदारी 20% है।
  - यह वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है, जो 60 चिकित्सीय श्रेणियों में लगभग 60,000 विभिन्न ब्रांडों का प्रतिनिधित्व करता है।
- **विनिर्माण शक्ति:**
  - भारत में 3,000 से अधिक दवा कंपनियां और 10,500 से अधिक विनिर्माण सुविधाएं हैं।
  - यह संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर यूएस-एफडीए अनुपालन वाले फार्मा संयंत्रों की सबसे अधिक संख्या होने का दावा करता है।
- **एपीआई उद्योग योगदान:**
  - भारत के 500 एपीआई निर्माता वैश्विक एपीआई उद्योग में लगभग 8% का योगदान करते हैं।
- **एफडीआई विनियम:**
  - ग्रीनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स के लिए इस क्षेत्र में स्वचालित तंत्रों के माध्यम से 100% एफडीआई की अनुमति है।
  - ब्राउनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स के लिए, 100% एफडीआई की अनुमति है, 74% स्वचालित तंत्रों के माध्यम से और शेष सरकार की मंजूरी के माध्यम से।

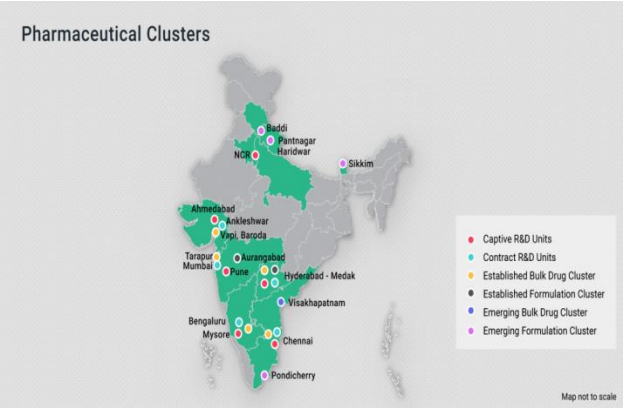

भोजशाला

संदर्भ: *ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वेक्षण के बाद, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) मध्य प्रदेश के धार भोजशाला में एक सर्वेक्षण करने की तैयारी कर रहा है।*

- एएसआई को भोजशाला की संरचना की आयु निर्धारित करने के लिए सभी उपलब्ध तरीकों और ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार सिस्टम और कार्बन डेटिंग जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है।

➢ **भोजशाला का अवलोकन:**

- भोजशाला, भारत के मध्य प्रदेश के धार में स्थित एक ऐतिहासिक मंदिर है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- यह नाम परमार वंश के राजा भोज से संदर्भित है, जो शिक्षा और कला के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध थे।
- इस संरचना के वास्तुशिल्प विभिन्न कालखंडों से संबंधित हैं, लेकिन मुख्यतः रूप से 12वीं शताब्दी के हैं, जिसमें इस्लामी कब्रें 14वीं और 15वीं शताब्दी के बीच की मानी गई हैं।

➢ **वर्तमान स्थिति:**

- राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में नामित, भोजशाला पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित है।
- एएसआई दिशानिर्देशों के अनुसार, मुस्लिम शुक्रवार को प्रार्थना कर सकते हैं, जबकि हिंदुओं को मंगलवार और वसंत पंचमी के त्योहार के दौरान प्रार्थना करने की सुविधा है। हालाँकि अन्य दिनों में भी इस साइट पर जाने की अनुमति है।

➢ **राजा भोज का इतिहास:**

- मध्य भारत में लगभग 1000 से 1055 तक शासन करने वाले राजा भोज को भारतीय परंपरा में सबसे प्रसिद्ध राजाओं में से एक माना जाता है।
- राजा भोज को कला के संरक्षण के लिए जाना जाता है । बाद के हिंदू विद्वानों द्वारा विभिन्न विषयों पर कई संस्कृत कार्यों का श्रेय उन्हें दिया गया।
- इनके कार्यों में उल्लेखनीय हैं; काव्यशास्त्र पर प्रभावशाली रचना, श्रृंगार-प्रकाश, जो ब्रह्मांड में एक मौलिक आवेग के रूप में श्रृंगार (प्रेम) के महत्व को रेखांकित करता है।
- भोज ने भोजपुर में एक भव्य शिव मंदिर का निर्माण शुरू किया था, जो योजना के अनुसार पूरा हुआ होता तो खजुराहो समूह के स्मारकों के हिंदू मंदिरों के आकार को पार कर जाता।
- बाद के साहित्यिक कार्यों के अनुसार उनकी विरासत लम्बे समय तक यथावत रही, कई लोग उन्हें दैवीय या भोज-सदृश शासक मानते थे।
- मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का नामकरण भोज के नाम पर ही किया गया है, जो उनके स्थायी महत्व को दर्शाता है।

➢ **ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर)**

- ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) एक भूभौतिकीय विधि है जिसका उपयोग रेडियो तरंगों का उपयोग करके जमीन की सतह के नीचे वस्तुओं का पता लगाने के लिए किया जाता है।
- आमतौर पर 10 मेगाहर्ट्ज और 2.6 गीगाहर्ट्ज के बीच यह विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम की माइक्रोवेव रेंज में संचालित होता है।
- जीपीआर में विद्युत चुम्बकीय तरंगों को उत्सर्जित करके और उपसतही संरचनाओं की छवियां उत्पन्न करने के लिए प्रतिबिंबित संकेतों का विश्लेषण किया जाता है।
- इस सिस्टम में एक ट्रांसमीटर लगा होता है, जो मिट्टी में ऊर्जा तरंगें भेजता है और इसमें एक पुनः प्राप्त करने वाला एंटीना लगा होता है, जो रिटर्न सिग्नल में भिन्नता को रिकॉर्ड करता है।
- विद्युत पारगम्यता में परिवर्तन का पता लगाकर, जीपीआर आक्रामक उत्खनन की आवश्यकता के बिना भूमिगत उपयोगिताओं और अन्य वस्तुओं की पहचान कर सकता है।
- जीपीआर भूमिगत या मानव निर्मित संरचनाओं के भीतर दबी संरचनाओं के मानचित्रण के लिए प्रभावी है।
- यह धातु, प्लास्टिक, पीवीसी, कंक्रीट और प्राकृतिक सामग्रियों सहित विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का पता लगा सकता है, जो इसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त बनाता है।
- जीपीआर के सामान्य उपयोगों में भूमिगत लाइनों और पाइपों का पता लगाना, जमीनी स्तर में बदलाव की पहचान करना, भूवैज्ञानिक विशेषताओं का मानचित्रण करना, हवा की उपस्थिति या अन्य रिक्तियों का पता लगाना और भूजल तालिकाओं सहित आधार संरचनाओं का निर्धारण करना शामिल है।

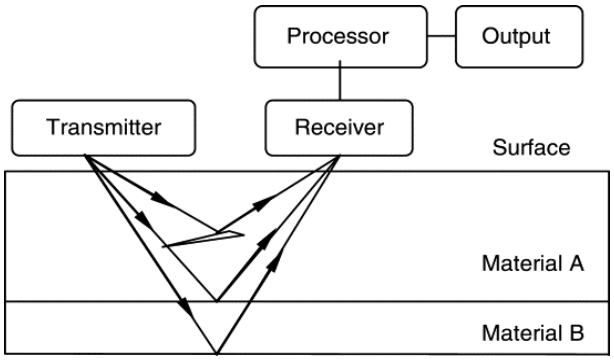

मिशन दिव्यास्त्र

संदर्भ: *भारत ने मिशन दिव्यास्त्र का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया, जिसमें एमआईआरवी तकनीक के साथ स्वदेशी अग्नि-5 मिसाइल शामिल है।*

- एमआईआरवी तकनीक सटीक हमलों के लिए वॉरहेड को कई पुनः प्रवेश वाहनों में विभाजित करने में सक्षम बनाती है।
- इस प्रणाली में प्रत्येक मिसाइल एक सात कई हथियार अपने लक्ष्य तक पहुंचा सकती है, जिससे इसकी प्रभावशीलता बढ़ जाती है।
- यह प्रणाली स्वदेशी एवियोनिक्स सिस्टम और उच्च परिशुद्धता सेंसर पैकेज की पुष्टि करती है।
- ये सुविधाएँ सुनिश्चित करती हैं कि पुनः प्रवेश करने वाले वाहन अपने लक्ष्य बिंदु पर सटीक रूप से पहुँच जाएं।

➢ **अग्नि-V मिसाइल:**

- DRDO द्वारा विकसित अग्नि-V, एक भूमि-आधारित परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) है।
- इसकी मारक क्षमता 7,000 किलोमीटर से अधिक है, कुछ स्रोत इसकी क्षमता 8,000 किलोमीटर तक की भी सुझाव बताते हैं।
- यह मुख्यतः तीन चरणों वाली मिसाइल ठोस-ईंधन, सड़क-मोबाइल और कनस्तरीकृत है, जो इसकी बहुमुखी उपयोग और तैनाती में सुगमता को बढ़ाती है।

➢ **प्रणोदन:**

- अग्नि-V में मिश्रित मोटर केसिंग के साथ तीन-चरणीय ठोस-ईंधन डिजाइन है।
- वजन कम करने के लिए कंपोजिट उकरण का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है, जिससे मिसाइल अंतरमहाद्वीपीय रेंज हासिल करने में सक्षम हो जाती है।
- अप्रैल 2012 में अपने पहले सफल उड़ान परीक्षण के दौरान, कुल उड़ान अवधि 1130 सेकंड थी, जिसमें पहला चरण 90 सेकंड के लिए प्रज्वलित हुआ था।

➢ **मार्गदर्शन एवं नियंत्रण:**

- यह मिसाइल अपने प्राथमिक मार्गदर्शन के लिए रिंग लेजर जाइरोस्कोप-आधारित जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली (आरएलजी-आईएनएस) का उपयोग करती है।
- इसके अतिरिक्त, इसमें बैकअप के रूप में एक माइक्रो इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम (MINGS) शामिल है।
- ये प्रणालियाँ भारतीय और गैर-भारतीय दोनों उपग्रह नेविगेशन प्रणालियों के साथ कार्य कर सकती हैं, जो उन्हें बेहतर सटीकता प्रदान करती हैं।

➢ **गतिशीलता:**

- अग्नि-V को सड़क-गतिशीलता (सड़क परिवहन द्वारा ले जाने में सक्षम) के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे लॉन्च करने के लिए एक कनस्तर का उपयोग किया जाता है।
- स्टील से बना यह कनस्तर, मिसाइल को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकता है और प्रक्षेपण के तनाव को कम कर सकता है।

- इस मिसाइल को कनस्तर से गैस जनरेटर का उपयोग करके किसी भी पूर्व-सर्वेक्षित स्थान से लॉन्च किया जा सकता है, जिससे पूर्व-निर्मित लॉन्च साइटों की आवश्यकता कम हो जाती है।

➢ **एमआईआरवी (एकाधिक स्वतंत्र रूप से लक्षित रीएंट्री वाहन):**

- अग्नि-V में MIRV की सुविधा होने की सम्भावना है, प्रत्येक मिसाइल 2-10 अलग-अलग परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है।
- एमआईआरवी मिसाइल की दूसरी-हमला क्षमता को बढ़ाते हैं, जिससे यह कई स्थानों को लक्षित कर सकती है या एक ही लक्ष्य पर कई हथियार लगा सकती है।
- एमआईआरवी परिनियोजन के लिए प्राथमिक मॉड्यूल 2012 विकास के अपने उन्नत चरण में है।

Ballistic Missile with Multiple Independently Targetable Re-Entry Vehicles

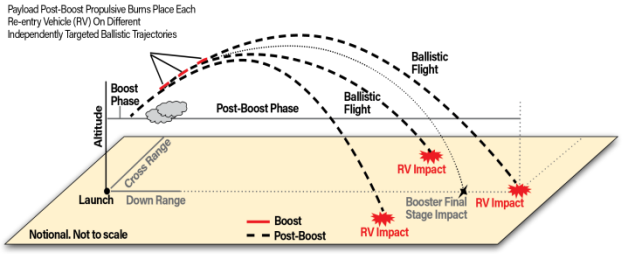

NEWS IN BETWEEN THE LINES

एक स्टेशन, एक उत्पाद

भारतीय प्रधानमंत्री आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दक्षिण रेलवे के 205 रेलवे स्टेशनों पर जिनमें तमिलनाडु के 168 स्टेशन शामिल हैं, 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' (ओएसओपी) स्टालों का उद्घाटन करेंगे।

एक स्टेशन, एक उत्पाद के बारे में:

- "एक स्टेशन, एक उत्पाद" भारतीय रेलवे की एक पहल है, जो स्थानीय लोगों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए बिक्री स्टाल प्रदान करती है।
- इसका उद्देश्य भारत सरकार के 'लोकल फॉर वोकल' विजन को बढ़ावा देना है।
- यह स्थानीय रूप से बनाए गए उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए रेलवे स्टेशनों पर स्टॉल स्थापित करता है।
- यह पहल लघु-उद्योग और हाशिए के उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करती है।
- अतिरिक्त बिक्री रास्ते बनाकर, ओएसओपी समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर उत्पन्न करता है।
- इस पहल को दक्षिण रेलवे में लागू किया जा रहा है जिसमें तमिलनाडु के 168 स्टेशन शामिल हैं।

इस पहल में पारंपरिक शिल्पों को पुनर्जीवित करने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और सतत विकास लक्ष्यों में योगदान करने की क्षमता है।

गोर्शाम कोरा उत्सव

हाल ही में, अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले के जेमीथांग में गोर्शाम कोरा उत्सव मनाया गया।

गोर्शाम कोरा उत्सव के बारे में:

- गोर्शाम कोरा उत्सव एक वार्षिक उत्सव है जो भारत और भूटान के बीच मित्रता का उत्सव मनाता है और इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम और बौद्ध अनुष्ठान शामिल होते हैं।
- यह उत्सव गोर्शाम चोर्टेन में होता है, जो एक 93 फुट ऊंचा स्तूप है जिसे 13वीं शताब्दी में एक स्थानीय भिक्षु द्वारा बनवाया गया था।
- हजारों भक्त, जिनमें भूटानी नागरिक और बौद्ध भिक्षु भी शामिल हैं, इस उत्सव में शामिल होते हैं।
- उत्सव की शुरुआत थेंत्से रिनपोछे के नेतृत्व में आह्वान के साथ हुई, उसके बाद खिन्जेमने पवित्र वृक्ष पर प्रार्थना की गई।
- ऐसा माना जाता है कि खिन्जेमने पवित्र वृक्ष को 14वें दलाई लामा द्वारा 1959 में तब लगाया गया था, जब वे तवांग में खिन्जेमने-जेमीथांग मार्ग से भारत की यात्रा कर रहे थे।
- इस वर्ष का उत्सव 'जीरो वेस्ट फेस्टिवल' (कचरा मुक्त उत्सव) होने पर केंद्रित था, जिसमें फरदर एंड बिऑन्ड फाउंडेशन द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया था।

मरने में सहायता विधेयक

हाल ही में, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मरने में सहायता को वैध बनाने के लिए एक विधेयक पर विचार करने की घोषणा की।

मरने में सहायता विधेयक के बारे में:

- प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य असाध्य रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए मरने में सहायता प्रदान करना है, जिनकी मृत्यु कम या मध्यम अवधि में होने की उम्मीद है।
- यह विधेयक घातक दवा के प्रशासन को नियंत्रित करने वाली सख्त शर्तें लगाएगा जिससे रोगी स्वयं इसे ले सकेंगे या सहायता के लिए किसी चुने हुए व्यक्ति या चिकित्सा पेशेवर को नियुक्त कर सकेंगे।
- मरने में सहायता केवल वयस्कों के लिए उपलब्ध होगी, जिसमें अल्जाइमर जैसी कुछ मनोरोग स्थितियों और विकारों वाले व्यक्ति शामिल नहीं होंगे।
- रोगियों को 48 घंटों के भीतर अपनी पसंद की पुष्टि करनी होगी, इसके बाद निर्णय देने से पहले दो सप्ताह की चिकित्सा दल की समीक्षा होगी।
- फ्रांस वर्तमान में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देता है, जहां रोगियों को जीवन रक्षक सहायता हटाने और निरंतर और गहरी बेहोशी का विकल्प चुनने का अधिकार है।
- यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो फ्रांस नीदरलैंड, बेल्जियम, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्विट्जरलैंड और पुर्तगाल जैसे यूरोपीय देशों में शामिल हो जाएगा, जहां इच्छामृत्यु या सहायता प्राप्त आत्महत्या की अनुमति है।
- पिछले कुछ वर्षों से जर्मनी इस तरह के कानून पर बातचीत कर रहा है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान में कुछ राज्य हैं जहां ऐसी प्रथाएं पहले से ही कानूनी हैं।

रोडामाइन बी पर प्रतिबंध

हाल ही में, कर्नाटक सरकार ने रूई की बंवारी (कॉटन कैंडी) और गोभी मंचूरियन में हानिकारक रंगीन पदार्थ, रोडामाइन बी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

रोडामाइन बी के बारे में:

- रोडामाइन बी (रूबी) एक पानी में घुलनशील रासायनिक यौगिक है जो ज़ैंथीन डाई के परिवार से संबंधित है।
- यह एक चमकदार गुलाबी से लाल रंग का फ्लुओरेसेंट रंग है जो प्रायः औद्योगिक अनुप्रयोगों (कपड़ा, कागज, चमड़ा और पेंट उद्योगों) , सौंदर्य प्रसाधन, स्याही, खाद्य रंग और विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों में रंग एजेंट के रूप में उपयोग किया जाता है।
- यह पराबैंगनी (यूवी) प्रकाश के तहत मजबूत प्रतिदीप्ति का प्रदर्शन करता है, जो इसे फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोपी, प्रवाह साइटोमेट्री और विभिन्न नैदानिक परीक्षणों में उपयोगी बनाता है।
- इसका उपयोग कोशिका संरचनाओं को देखने के लिए जैविक धुंधलापन तकनीकों और विशिष्ट जैव अणुओं का पता लगाने के लिए चिकित्सा निदान में भी किया जाता है।
- यदि नियमित रूप से इसका सेवन किया जाए, तो यह मस्तिष्क में सेरिबैलम ऊतक को और मस्तिष्क को रीढ़ की हड्डी से जोड़ने वाले ब्रेनस्टेम को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।
- खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के तहत शादी समारोहों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में रोडामाइन बी युक्त खाद्य पदार्थों को तैयार करना, पैक करना, आयात करना, बेचना और परोसना दंडनीय है।

सुर्खियों में स्थल

बेलारूस

हाल ही में बेलारूस के विदेश मंत्री सर्गेई एलेनिक भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे, जहां उनका विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ बैठक करने का कार्यक्रम है।

राजधानी: मिन्स्क

अवस्थिति : बेलारूस, जिसे आधिकारिक रूप से बेलारूस गणराज्य के रूप में जाना जाता है, पूर्वी यूरोप का एक स्थल-आबद्ध देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: बेलारूस की सीमाएँ रूस (पूर्व और पूर्वोत्तर), पोलैंड (पश्चिम) और लिथुआनिया और लातविया (उत्तर पश्चिम) और यूक्रेन (दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- बेलारूस का उच्चतम बिंदु दज़्यारझिन्स्काया हारा (डेज़रझिंस्काया हिल) (Dzyarzhynskaya Hara ,Dzerzhinskaya Hill) है, जिसे हारा दज़्यारझिंस्काया (Hara Dzyarzhynskaya) के नाम से भी जाना जाता है।
- बेलारूस की प्रमुख नदियों में डेनिपर, पश्चिमी डिविना (डौगावा) (Dvina,Daugava) और नेमन (नेमुनास) (Neman, Nemunas) शामिल हैं।
- बेलारूस में सीमित खनिज संसाधन हैं, लेकिन इसमें पीट, तेल और प्राकृतिक गैस, ग्रेनाइट, डोलोमाइट (चूना पत्थर), पोटाश और फॉस्फोराइट सहित विभिन्न खनिजों के भंडार हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में खबरों में आया पोषण पखवाड़ा किस मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है? – **महिला और बाल विकास मंत्रालय**
- खसरा और रूबेला का मुकाबला करने के लिए किए गए अनुकरणीय प्रयासों के लिए हाल ही में किस देश को प्रतिष्ठित 'मीज़ल्स एंड रूबेला चैंपियन' वैश्विक पुरस्कार से सम्मानित किया गया? – **भारत**
- हाल ही में बिचोम को किस राज्य का 27वां जिला घोषित किया गया? – **अरुणाचल प्रदेश**
- हाल ही में 'कृषि एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र' का उद्घाटन कहाँ किया गया? – **नई दिल्ली**
- प्रतिवर्ष किस दिन को 'सीआईएसएफ स्थापना दिवस' के रूप में मनाया जाता है? – **10 मार्च**